नईदुनिया

कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की महिला की हत्या, हत्यारे ने दी जान, निकला अवैध प्रवासी

वाशिंगटन

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में एक रेस्टोरेंट के बाहर 38 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या का आरोपी भारत का ही एक 22 वर्षीय व्यक्ति है। संयुक्त राज्य अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट आफ होमलैंड सिक्योरिटी- डीएचएस) ने 11 सितंबर को विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

संयुक्त राज्य अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, हत्यारोपी भारतीय व्यक्ति है। वह अवैध प्रवासी है। बाइडेन प्रशासन ने उसे रिहा किया था।

डीएचएस के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध कई महीनों से महिला का पीछा कर रहा था। डीएचएस ने कहा कि स्थानीय खबरों के अनुसार, यह घटना 8 सितंबर को सैक्रामेंटो के एक शापिंग सेंटर में हुई।

बताया गया है कि भारतीय मूल की 38 वर्षीय महिला अपनी कार के पास थी। तभी अपराधी रोहित (भारत का एक अवैध प्रवासी) उसके पास पहुंचा। उसे देखते ही महिला ने भागने की कोशिश की। रोहित ने उसका पीछा किया और बंदूक से गोलियां दाग दीं। महिला जमीन में गिर गई। तब उसने पास से उसके सिर में फिर से गोली मारी और अपनी गाड़ी में भाग गया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि जब पुलिस रोहित तक पहुंची, तो उसने अपनी गाड़ी के ब्रेक लगाए और बाद में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। रोहित महिला का काफी समय से पीछा कर रहा था। विज्ञप्ति के अनुसार रोहित अगस्त 2023 में एरिजोना के रास्ते अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में दाखिल हुआ था। उसे यूएस बार्डर पेट्रोलिंग टीम ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाइडेन प्रशासन ने रोहित को रिहा कर दिया।

डीएचएस के प्रवक्ता ने कहा, भारत के इस अवैध प्रवासी ने कैलिफोर्निया में 38 वर्षीय महिला को परेशान किया। उसका पीछा किया और फिर उसकी हत्या कर दी और जब पुलिस उस तक पहुंची तो उसने अपनी जान ले ली। अगर बाइडेन प्रशासन ने इस हत्यारे को हमारे देश में न छोड़ा होता तो यह दुखद घटना पूरी तरह से टल सकती थी। नेताओं को ऐसी नीतियों को खत्म करना चाहिए जो अमेरिकी लोगों की जान के साथ खतरनाक जुआ खेलती हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़िता और उसके परिवार के साथ हैं।

न्यूज ब्रीफ

डा. महरंग बलोच ने जेल से जारी किया बयान- बलोचिस्तान में न्यायपालिका ने जनता का भरोसा खो दिया

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच यूनिटी कमेटी (बीवाईसी) प्रमुख और जेल में बंद बलोच राजनीतिक नेता डा. महरंग बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में न्यायपालिका ने अपना असर और जनता का भरोसा पूरी तरह खो दिया है। उन्होंने यह बयान जेल से जारी किया। उनके इस बयान को द बलूचिस्तान पोस्ट ने 12 सितंबर को प्रसारित किया है। उन्होंने कहा कि बलोचिस्तान के चीफ जस्टिस कामरान मलाखिल खुद बलोच यूनिटी कमेटी के सभी मुकदमे देख रहे हैं। कमेटी के मामलों की सुनवाई कर रहे जस्टिस मोहम्मद अली मुबीन और जस्टिस कादिर शाह बुखारी कई मौकों पर कह चुके हैं कि उन पर दबाव है। डा. महरंग ने आरोप लगाया कि संबंधित जजों ने यह भी कहा कि उन्हें केस में सजा सुनाने के निर्देश दिए गए हैं। डा. महरंग बलोच ने कहा कि यह न्यायिक आजादी और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। डा. महरंग बलोच के अनुसार, सात सितंबर को अदालत में हड़ताल और बचाव पक्ष के वकील की गैरमौजूदगी के बावजूद गुलजादी बलूच के केस में गवाह से पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, इसी तरह हमारे केस में हमारी इजाजत के बिना नियुक्त किए गए सरकारी वकीलों को कई तरह के खास अधिकार देकर इस्लामाबाद लाया गया, जबकि हमें अपना बचाव करने के बुनियादी अधिकार से वंचित रखा गया। महरंग बलोच ने आरोप लगाया कि इस्लामिक रिपब्लिक आफ पाकिस्तान में न्यायपालिका को बंधक बना लिया गया है। उन्होंने कहा कि उनके पास उम्रकैद की सजा के खिलाफ अपील करने का संवैधानिक और कानूनी अधिकार है। उनकी अपील की सुनवाई के लिए अक्टूबर की तारीख तय की गई है। महरंग बलोच ने कहा है कि बीवाईसी ने 13 जून से फेसलेस ट्रायल के खिलाफ 20 केस का बायकाट किया है।

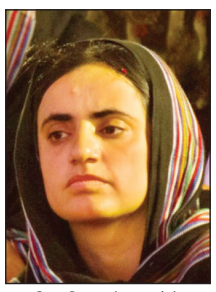

बांग्लादेश में पद्म नदी में नाव पलटी, 10 लोगों को बीएसएफ ने बचाया

ढाका। बांग्लादेश के चापईनवाबगंज सदर उपजिला में पद्मा नदी में नाव पलटने से डूब रहे 10 लोगों को भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बचा लिया। यह सभी लोग भारतीय क्षेत्र में सकुशल हैं। बीएसएफ ने बांग्लादेश को आधिकारिक तौर पर यह सूचना दी है। बांग्लादेश ने अपने नागरिकों को लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, पद्मा नदी में 12 यात्रियों को ले जा रही नाव के पलटने के बाद भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने 10 बांग्लादेशी नागरिकों को बचाया। एक यात्री तैरकर बांग्लादेशी इलाके में वापस पहुंचने में कामयाब रहा, जबकि एक अन्य अभी भी लापता है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने बताया कि 12 यात्रियों को ले जा रही नाव शाम करीब 5 बजे बखेराली घाट से जोहुरपुरटेक के लिए रवाना हुई थी। यात्रा शुरू होने के लगभग 20 मिनट बाद तेज हवाओं और नदी की तेज लहरों के कारण नाव पलट गई। खंडुआ बीएसएफ कैंप के गश्त कर रहे जवानों ने नदी से 10 यात्रियों को बचाया और उन्हें भारतीय इलाके में ले आए। वसीम नाम का एक 25 वर्षीय यात्री तैरकर बांग्लादेश के किनारे पहुंचने में सफल रहा, जबकि मुस्तफा नाम का एक व्यक्ति अभी भी लापता है। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर सर्विस के जवान ने घटनास्थल पहुंचे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज न्यूयार्क में 23 सितंबर को ट्रंप से करेंगे मुलाकात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 23 सितंबर को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए-81) के 81वें सत्र के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। उन्हें न्यूयार्क पैलेस होटल में यूएनजीए-81 में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्षों के लिए आयोजित रात्रि भोज में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार,राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप 23 सितंबर की शाम मैडिसन एवेन्यू स्थित लोटे न्यूयार्क पैलेस होटल में यूएनजीए-81 में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। शहबाज को इसके लिए निमंत्रण मिल चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी यह मुलाकात मिस्र के शर्म अल-शेख में बोर्ड आफ पीस की बैठक के बाद सात महीनों में उनकी पहली आमने-सामने की बातचीत होगी। शहबाज रात्रिभोज से एक दिन पहले लंदन से न्यूयार्क पहुंचेंगे और 25 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका के सैन्य अभ्यास के बाद बढ़ा तनाव

सियोल

दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास के समापन के ठीक एक दिन बाद उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि उसने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:20 बजे वोंसान क्षेत्र से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया। जेसीएस अमेरिका के साथ मिलकर इसके सटीक विवरण का विश्लेषण कर रहा है। ये मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 250 किलोमीटर तक हवा में रहीं। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखी और जापान के साथ सूचना साझा की। सेना ने कहा, हमारी सेना एक मजबूत दक्षिण कोरिया-अमेरिका रक्षा रुख के तहत उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर करीबी नजर रख रही है और किसी भी उकसावे का करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सूत्रों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने अपनी ह्वासोंग-11 शृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलों और 600 मिलीमीटर के मल्टीपल राकेट लान्चरों से कई परीक्षण किए हैं। यह ताजा प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के जेजू द्वीप के समीप अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आयोजित अपने पांच दिवसीय फ्रीडम एज सैन्य अभ्यास के समाप्त होने के ठीक बाद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर पिछले महीने अपने वार्षिक संयुक्त उल्ची फ्रीडम शील्ड (यूएफएस) अभ्यास का दायरा घटाए जाने के बावजूद यह पूर्वाभ्यास तय कार्यक्रम के अनुसार ही पूरा किया गया। ट्रंप ने उत्तर कोरिया के प्रति सुलह का संकेत देते हुए संयुक्त सैन्य अभ्यासों में कटौती का आदेश दिया था। उन्होंने इन्हें खर्चीले और उत्तर कोरिया के लिए अनुचित व शत्रुतापूर्ण बताया था। जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने किसी भी संभावित अतिरिक्त प्रक्षेपण का पता लगाने के लिए निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा करते हुए पूरी तरह सतर्क है। यह मिसाइल प्रक्षेपण उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग-गी के इस त्रिपक्षीय अभ्यास की निंदा करने और जवाबी उपाय करने की चेतावनी देने के बाद सामने आया है। एक बयान में किम ने चेतावनी दी थी कि यदि अमेरिका और उसके सहयोगी डीपीआरके (उत्तर कोरिया) के साथ एक नए सैन्य टकराव को भड़काने का प्रयास करते हैं।

ट्रंप का दावा, कहा- चुनाव बाद घट जाएंगी तेल की कीमतें

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यह लड़ाई नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद खत्म हो सकती है। ट्रंप ने आयरलैंड में यह उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द समाप्त होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान चुनाव तक इस संघर्ष को खींचने की कोशिश कर रहा है, ताकि चुनाव को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया जा सके। ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि चुनाव के बाद हालात बदलेंगे और तेल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। उनके अनुसार, युद्ध खत्म होते ही तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने नई दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के दौरान स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया को अमेरिका जैसे किसी क्षेत्रीय पुलिस वाले की जरूरत नहीं है। पेजेश्कियन ने कहा कि इस क्षेत्र की सुरक्षा और यहां के देशों की सीमाओं की रक्षा की जिम्मेदारी इसी क्षेत्र के देशों और उनके मुख्य खिलाड़ियों की होनी चाहिए। उन्होंने साफ किया कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और न ही इस लड़ाई को आगे जारी रखना चाहता है। तमाम मुश्किलों के बावजूद ईरान की पहली प्राथमिकता शांति है। अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने जवाबी हमले किए थे, जिससे पूरे इलाके में तनाव बढ़ गया। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी कर दी, जो दुनिया के लिए एक बेहद अहम समुद्री रास्ता है। पहले दुनिया के कुल तेल का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता था। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच इस रणनीतिक रास्ते पर दबदबे को लेकर तनाव बना हुआ है। छह महीने से ज्यादा समय से चल रही नाकाबंदी ने तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ा दिया है। इस लड़ाई का असर अब दुनिया के तेल बाजार पर भी साफ दिख रहा है। इस हफ्ते कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल के पार चली गई है। जून में दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हुआ था, लेकिन वह ज्यादा समय तक नहीं चल सका और जल्द ही टूट गया। इसके बाद बातचीत में कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। लड़ाई की तीव्रता पहले के मुकाबले कुछ कम जरूर हुई है, लेकिन संघर्ष अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अमेरिका ने भी अब तक युद्ध से बाहर निकलने का कोई साफ रास्ता नहीं बताया है।

बुर्ज खलीफा की चमक का सच : जानलेवा ऊंचाई पर जान जोखिम में डालते सफाईकर्मी

दुबई

जरा कल्पना कीजिए आप जमीन से 828 मीटर ऊपर हवा में लटके हैं, आपके नीचे दुबई की सड़कें खिलौने जैसी दिख रही हैं। इसी भयानक ऊंचाई पर आपको दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा की 24,348 खिड़कियां साफ करनी हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल करीब 1.2 लाख वर्ग मीटर है यानी लगभग 17 फुटबाल मैदानों के बराबर है। यह काम जितना डरावना लगता है, असल में उतना ही जोखिम भरा है। कुछ चुनिंदा कर्मचारी हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर बुर्ज खलीफा की भव्य चमक बनाए रखते हैं।

इस विशाल इमारत की बाहरी सतह को साफ रखने के लिए विशेष सफाई प्रणालियों का इस्तेमाल होता है। निचली मंजिलों पर 1,500 किलोग्राम वजनी बकेट मशीनें चलती हैं, जिससे जुड़ी गोंडोलास में बैठकर कर्मचारी काम करते हैं। लेकिन 109वीं मंजिल से ऊपर डेविट्स से लटकी क्रैडल्स का उपयोग होता है। सबसे ऊंचे 27 टियर्स और स्पायर तक पहुंचने के लिए विशेष प्रशिक्षित कर्मचारी रस्सियों के सहारे इमारत की चोटी से नीचे उतरते हैं। यह किसी पेशेवर पर्वतारोहण अभियान से कम नहीं।

इस खतरनाक काम में तेज हवा एक बड़ी चुनौती है। सफाई शुरू करने से पहले मौसम और हवा की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जाती है, क्योंकि जरा सी भी लापरवाही या तेज हवा का झोंका बड़ा खतरा बन सकता है। तेज हवा होने पर काम रोक दिया जाता है। ऊंचाई पर भीषण गर्मी भी कर्मचारियों के लिए एक और मुश्किल है। वे खास मून सूट जैसे कपड़े पहनते हैं जो उन्हें तेज धूप और गर्मी से बचाते हैं, साथ ही दिनभर हाइड्रेटेड रहने के लिए लगातार पानी और इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक पीते रहते हैं। काम के दौरान नियमित ब्रेक भी जरूरी होते हैं।

बुर्ज खलीफा की बाहरी सफाई कोई एक-दो लोगों का काम नहीं है। पुरानी रिपोर्टों के मुताबिक, करीब 36 कर्मचारियों की टीम इस कार्य को अंजाम देती है, जिसे पूरा होने में 3 से 4 महीने लग सकते हैं। इन मेहनती कर्मचारियों में अक्सर भारत, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे दक्षिण एशियाई देशों से आए लोग शामिल होते हैं, जिन्हें ऊंचाई पर काम करने, रस्सी के सहारे उतरने और आपात स्थितियों से निपटने की विशेष ट्रेनिंग मिलती है। उनका सबसे बड़ा डर ऊंचाई, तेज हवा और गर्मी के बीच एक गलती का खतरा होता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे जहाज पर हमला, यूकेएमटीओ ने जारी की चेतावनी

तेहरान। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि 12 सितंबर को इस इलाके से गुजर रहे एक जहाज को अज्ञात प्रक्षेप्य ने निशाना बनाया। घटना के बाद चालक दल की स्थिति, जहाज को हुए नुकसान और पर्यावरण पर असर की तत्काल जानकारी सामने नहीं आई है। यूकेएमटीओ ने क्षेत्र में मौजूद अन्य जहाजों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने को कहा है। यूकेएमटीओ की एक्स पोस्ट पर जारी चेतावनी (134-26) के अनुसार, इस घटना की जानकारी 12 सितंबर को रात 11 बजे (23:00 यूटीसी) मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां चौकस हो गई हैं। यूकेएमटीओ ने चेतावनी में स्पष्ट किया है कि शुरुआती रिपोर्ट में जहाज पर सवार चालक दल की स्थिति, जहाज को हुए नुकसान का दायरा और इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को लेकर कोई तत्काल सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

ईरान समर्थक हूती और सऊदी अरब के बीच बाब अल मंदेब को लेकर हमले जारी

सना/रियाद/वाशिंगटन/तेहरान,

यमन के लाल सागर तट पर सामरिक और रणनीतिक दृष्टि से सबसे अहम बाब अल मंदेब चोकपाइंट को लेकर लड़ाई जारी है। हूती लड़ाके और सऊदी अरब एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हूती ने वाशिंगटन से संपर्क करके कहा है कि वह यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के खिलाफ चल रहे संघर्ष में दखल न दे।

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सीमा से उड़ाए गए एक ड्रोन ने सऊदी अरब में ईस्ट-वेस्ट आयल पाइपलाइन को निशाना बनाया है। इसके बाद इराक ने ईरान के साथ अपनी तीन सीमा क्रासिंग को कुछ समय के लिए बंद कर दिया है। रियाद ने तुरंत कोई जवाबी कार्रवाई करने के बजाय एहतियात के तौर पर पाइपलाइन को बंद कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर चर्चा करने के लिए ईरान की ओमान में खाड़ी देशों के साथ बैठक होने की उम्मीद है।

सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने एक प्रोजेक्टाइल सऊदी अरब के दक्षिणी जाजान इलाके में दागा। इसमें दो लोग घायल हो गए और एक मस्जिद व कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। सिविल डिफेंस के प्रवक्ता ने आम नागरिकों से जुड़ी जगह को निशाना बनाए जाने को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन बताया है। हूती ने दावा किया कि उनके हमले का निशाना दक्षिणी नज्रान प्रांत के शरूराह में स्थित सऊदी सैन्य अड्डा था।

हूती लड़ाकों ने यमन के समूचे लाल सागर तट पर नियंत्रण और रणनीतिक बंदरगाह शहर मोचा पर कब्जा कर लिया है। वहीं, यमन के सरकारी बलों ने अल-जौफ, मारिब और अल-बैदा में नए मोर्चे खोले हैं। इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन फार माइग्रेशन और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस लड़ाई में अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस संकट पर चिंता जता चुका है।

सऊदी अरब समर्थित यमन के सरकारी बलों ने कहा कि उन्होंने मोचा को हूती के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए हमले शुरू कर दिए हैं। एक प्रवक्ता ने बताया कि हथियारों और वाहनों को नष्ट कर दिया गया और तमाम हूती लड़ाके मारे गए। सूत्रों ने बताया कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति ट्रंप से हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का आग्रह किया है। हाल के दिनों में ट्रंप और क्राउन प्रिंस के बीच बिगड़ते हालात पर कई बार बातचीत हुई है।

दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित केशम द्वीप के तट के पास धमाकों की आवाज सुनी गई। इससे पहले अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने वाले तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। अमेरिका ने भी उन जहाजों को निशाना बनाया जो ईरानी बंदरगाहों की उसकी जवाबी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

इस बीच हूती ने दावा किया कि कब्जे में लिए गए इलाकों में 200 से ज्यादा कैदियों को रिहा कराया है। हूती अधिकारी अब्देलकादर अल-मुर्तदा ने कहा कि यह युद्ध बंदी थे, जिन्होंने आठ साल तक जेल में बिताए। राजधानी सना में एक सम्मेलन में मुर्तदा ने कहा, हमने पश्चिमी तट पर सऊदी दुश्मन की जेलों से रिहा कराए गए अपने 210 कैदियों का स्वागत किया है।

नेपाल में अगले शैक्षणिक सत्र से बुक फ्री फ्राइडे और स्किल इन एजुकेशन योजना लागू करने की तैयारी

काठमांडू

नेपाल सरकार विद्यालय शिक्षा को अधिक व्यावहारिक और कौशल-आधारित बनाने के उद्देश्य से अगले शैक्षणिक सत्र से देशभर में बुक फ्री फ्राइडे और स्किल इन एजुकेशन अवधारणा लागू करने की तैयारी कर रही है।

शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर व्यावहारिक ज्ञान, कौशल और जीवनोपयोगी शिक्षा से जोड़ने के लिए बुक फ्री फ्राइडे और स्किल इन एजुकेशन कार्यक्रम लागू करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बदलते समय, तकनीक के विकास और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय शिक्षा के राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप में संशोधन किया जा रहा है। इसके लिए कार्यदल का गठन किया गया है और देशभर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा अन्य संबंधित पक्षों से सुझाव लिए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि प्राप्त सुझावों के आधार पर नया पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा और इसके बाद नए पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्यपुस्तकों की छपाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। मंत्री पोखरेल ने कहा कि मौजूदा पाठ्यक्रम समय की जरूरत के अनुरूप जीवनोपयोगी और व्यावहारिक शिक्षा देने में पूरी तरह सक्षम नहीं है। इसलिए नई पीढ़ी की जरूरतों और भविष्य को केंद्र में रखकर नया पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा।

शिक्षामंत्री के प्रमुख सलाहकार शैलेन्द्र झा ने बताया कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप को अधिक प्रभावी और कार्यान्वयन योग्य बनाने के लिए समुदाय स्तर तक पहुंचकर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य संबंधित पक्षों से सुझाव लिए जा रहे हैं। उन्होंने शिक्षा को समयानुकूल, व्यावहारिक, तकनीक-अनुकूल और जीवनोपयोगी बनाने पर जोर दिया।

पाठ्यक्रम विकास केंद्र के कार्यकारी निदेशक महेंद्र पराजुली ने बताया कि राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप में संशोधन के लिए गठित कार्यदल काम कर रहा है। प्राप्त सुझावों के आधार पर आवश्यक संशोधन करके नए पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

सातों प्रदेशों में आयोजित कार्यशालाओं से विद्यालय शिक्षा को व्यावहारिक, कौशल-आधारित, तकनीक-अनुकूल और रोजगारमुखी बनाने के सुझाव मिले हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल तकनीक के इस्तेमाल में दक्ष बनाने के बजाय तकनीक विकसित करने में सक्षम बनाने वाला पाठ्यक्रम तैयार किया जाना चाहिए।

कोशी प्रदेश में बार-बार पाठ्यक्रम बदलने के बजाय उसके प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर देने और पर्याप्त शिक्षक व्यवस्था के बिना नए पाठ्यक्रम को लागू करना मुश्किल होने की बात उठाई गई। मधेस प्रदेश से नैतिक एवं संस्कृत शिक्षा, एआई और कंप्यूटर तकनीक, जलवायु परिवर्तन, ग्रीन स्कूल, तकनीकी शिक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव आया है। बागमती प्रदेश के प्रतिभागियों ने पूर्वी दर्शन, संस्कृत एवं नैतिक शिक्षा, स्थानीय ज्ञान, कौशल और संस्कृति के साथ कम्युनिटी करिकुलम और नेचर लर्निंग को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया।